क्या आज सभी को कृष्ण की तलाश नहीं है?

यदि आप बहुत पैसा कमाते हैं और आपको उन पैसों के साथ कहीं बंद कर दिया जाए तो क्या होगा? अच्छा नहीं लगेगा, क्योंकि आप उससे कुछ तलाशते हैं, कुछ खरीदेंगे, जिससे आपको लगता है, जोकि ऐसा है नहीं, सिर्फ लगता है कि इससे हमें सुख मिलेगा, आनंद मिलेगा। लेकिन जैसे ही वो चीज़ आपके पास आई, आप तुरंत किसी दूसरी चीज़ की तलाश में जुट गए। अब आप देखें कि आप सब कुछ `कल' में ढूंढ़ रहे हैं। जो हमने देखा नहीं है, लेकिन संभावना है! शायद मिल जाए। तो यहां भी अल्टीमेट या अन्तिम सुख या आनंद की तलाश है ना!

हमारा अनुभव तो यही कहता है कि सभी को इस पूरे विश्व में तीन की तलाश है, सत, चित, आनंद की, अर्थात् सत्चिदानंद की, और हम मानें या ना मानें, हमारा पूरा ब्रह्माण्ड और ब्रह्माण्ड के समस्त चेतन प्राणी को उस सत्य की खोज है। कहाँ है वो सत्य, कहाँ है वो आनंद! ढूंढ़ तो सभी रहे हैं पर कुछ भी मिल नहीं रहा।

यदि इसके विस्तार को देखें तो पाएंगे कि एक अन्तिम सत्य या अल्टीमेट ट्रूथ को सभी पाना ही चाहते हैं, जिसके आगे कुछ ना हो, बस वहीं ठहर जाएं। चाहे विज्ञान को आप लें या फिर आध्यात्मिकता या फिर ज्योतिष, या तन्त्र-मन्त्र, सभी उस सत्य को ढूंढ़ रहे हैं। क्या जो हो रहा है, वो ऐसे ही है, या फिर उसका कोई वजूद है? जो हो रहा है उसका कोई कारण तो होगा ना! बस उसी की तलाश है। सत्य ही तो है!

कृष्ण सत, चित, आनंद स्वरूप का रूपक है...

आप देखिए, छोटे से `कृष्ण' की आप सभी तलाश कर रहे हैं ना! क्योंकि वो सम्पूर्ण पवित्र है और उसे देखने से ही चित्त शान्त, मन गदगद और आनंदित हो जाता है। हमारा तो यही कहना है कि सभी धर्मों ने भी अपने-अपने आदर्श बनाए हुए हैं। आदर्श उसे कहते हैं जिसमें हम अपना दर्शन कर सकें। जिनमें सम्पूर्ण आकर्षणमय, खूबियां या गुण जुड़ जाये, तो वह आदर्श हो जाता है, वो मनुष्य देवतुल्य हो जाता है, वही कृष्ण भी थे।

'कृष्ण' को समझते हैं...

कृष्ण शब्द `कृष' धातु से निकला है, जिसका अर्थ है आकर्षित करना। अब आप ही अंदाज़ा लगाएं कि आकर्षित कौन करेगा! जो बहुत ही ज़्यादा गुणवान हो, सुखकारी हो। इतनी वृहद सृष्टि है, अगर एक ही कृष्ण होगा तो सभी तो उससे आनंदित नहीं हो पायेंगे। हो सकता है कि हम गलत हों, क्योंकि आप उन्हें परमात्मा का स्वरूप मानते हैं! बात भी सही है,वह परमात्मा का स्वरूप है, परमात्मा नहीं है। क्योंकि परमात्मा को देह और दुनिया से परे दिखाया गया है। वैसे तो यह भी कहा जाता है कि जिसने भी प्रकृति के साथ अपने आप को जोड़ा, उसकी प्रकृति उम्र के साथ या यूं कहें कि समय के साथ घटेगी अवश्य! ऐसा शास्त्रगत उल्लेख भी मिलता है।

कृष्ण के जन्म को देखते हैं...

भाद्रपद मास की अष्टमी को कृष्ण का जन्म होता है। सावन मास अच्छा मौसम माना जाता है जिसमें ज़्यादा गर्मी नहीं होती क्योंकि बारिश शुरु हो चुकी होती है। लेकिन उमस भरा मौसम का होना किसको भाता है! यदि इसको हम वैज्ञानिक रूप से देखें तो पाएंगे कि ऐसे में किसी का जन्म होना, वो भी सबको आनंदित करे, अर्थात् कष्टकारी परिस्थितियों पर विजय का प्रतीक ही तो कृष्ण का जन्म है। जन्म के समय बारिश, आंधी, तूफान, बिजली आदि को कड़कते दिखाया गया है, उसमें भी वो आनंदित है, खुश है।

कृष्ण हम सभी की एक मानसिक उपज है। यदि हमें आकर्षित करने वाला बनना है तो हमें तपना होगा, थोड़ा सहन भी करना होगा। हमारा उपहास भी होगा, हमपर लोग हँसेंगे भी, लेकिन इन सबसे पार पा कर ही हमारा चित्त अर्थात विवेक जागृत होगा।

आपने जब एक बार इस सत्य को समझा, उसे विवेक से परखा, समझो आपको हर बात का रहस्य समझ में आ गया। आप उसके बाद किसी भी बात से दु:खी व परेशान नहीं होंगे। आप भी कृष्ण की तरह आनंदकारी बन जाएंगे। सभी आपको अपना आदर्श बना लेंगे ।

आगरा-शास्त्रीपुरम। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मीडियाकर्मियों के लिए आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डॉ. प्रेरणा, डॉ. सुषमा, डिग्री कॉलेज की प्रिंसीपल, ब्र.कु. शान्तनु,माउण्ट आबू, ब्र.कु. कमल दीक्षित, ब्र.कु. सुशान्त,माउण्ट आबू, ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. मधु तथा अन्य।

शिलाँग। बी.एस.एन.एल. ऑफिस में आयोजित 'स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप' में उपस्थित हैं डी.पी. सिंह,सी.जी.एम.,बी.एस.एन.एल., ब्र.कु. नीलम, ब्र.कु. डॉ.धवल सूद व वहां के अधिकारी व कर्मचारीगण।

उकलाना मण्डी-फतेहाबाद। समाजसेवी डॉ. रामखेलावन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दीपक,माउण्ट आबू, ब्र.कु. अजीत, ब्र.कु. किरण व अन्य।

मथुरा। जी.एल.ए. यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल को ज्ञानचर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात व नारीत्व दर्शन की डी.वी.डी. भेंट करते हुए ब्र.कु. कुसुम व ब्र.कु. सुनीता। साथ हैं यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. डी.एस. चौहान व यूनिवर्सिटी के प्रो. वाइस चांसलर प्रो. आनंद मोहन अग्रवाल।

कोटद्वार। योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. सुमन, विधायक दिलीप सिंह रावत, पूर्व विधायक शैलेन्द्र सिंह रावत, पूर्व नगरपालिका अध्यक्षा शशि नैनवाल तथा अन्य।

मऊ-उ.प्र.। रामायण मेले में जेल कारागार मंत्री बलराम यादव को ईश्वरीय संदेश देने के बाद ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विमला।

मण्डी-गोविंद गढ़(पंजाब)। योग दिवस पर हरप्रीत सिंह,प्रिंस प्रेस क्लब के प्रेसिडेंट व को-ऑपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी के प्रधान,एम.सी. को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. साक्षी। साथ हैं ब्र.कु. मिनाक्षी व योगा ट्रेनर विशाल बत्रा।

आस्का-ओडिशा। व्यसनमुक्ति के कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पार्वती। मंचासीन हैं ब्र.कु. डॉ. सचिन परब,संयोजक,डी एडीक्शन कैम्प, दीपराज मोहन्ती,विधायक, ब्र.कु. मंजू व ब्र.कु. सत्यप्रिया।